

आमन्तनं

भारतसव्वकारा 03.10.24 दिनम्हि बांला, माराठी, असमिया पालि, पाकित च भासा सत्थीअ भासा ति घोसनं करिसु। एतस्स घोसनस्स को पभावो भविस्सति एतासानं भासानं विकासस्मिं पचारस्मिं चति एतम्हि विसये 22.11.24 दिनम्हि 10.30 वादनतो 1.30 वादनपज्जन्तं विस्सभारत्या लिपिकासभागेहे एका आलोचनासभा भविस्सति।

विसयो - “Government of India’s declaration as Classical Languages : Impact on the language and Literature of Bengali, Marathi, Assamese, Pali and Prakrit”

विस्सभारत्या भासाभवनं तथा च डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी अनुसन्धानन्नासं नूतनदेहली च ति उभेयि संयुक्तरूपेण इदं अनुष्ठानं कतं भविस्सति। एतम्हि अनुष्ठाने सव्वेसं भवन्तानं उपट्ठतिं कामयामि।

प्रो. मनोरंजन प्रधान
अध्यक्ष
भाषा-भवन

आमंतणं

भारह-सव्वकारेणं 03.10.24 दिवसम्मि घोसिअं जं बाङ्ला, माराठी, अहोमिया, पाली तह पाइअ भासा सत्थीअ भासा होंति। एआए घोसणाए भासाणं वद्धणं तह विआसो कहं भवेज्जा अम्हि विसयम्मि पवुद्धेहि सज्जणेहि भासाणं 22.11.24 दिवसे पाओ 10.30 वाअणाओ 1.30 वाअण-पज्जंतं निद्धारिओत्ति लिपिका सहागिहे, विस्सभारही-संतिनिएअणे भविस्संति।

विसओ— “Government of India’s declaration as Classical Languages : Impact on the language and Literature of Bengali, Marathi, Assamese, Pali and Prakrit”

अणुट्ठाणमिअं संजुत्तरूवेणं भासाभवणं, विस्सभारही तह डः श्यामाप्रसाद – मुकर्जी, नव-देहली-ठिएहिं सोहसंठाणेहिं संघडिअं। एअं कज्जाणुट्ठाणम्मि भवाणं सम्माणिज्जा ठिई पत्थिआ।

प्रो. मनोरंजन प्रधान
अध्यक्ष
भाषा-भवन



Invitation

*Lecture by Linguists
on
“Government of India's
Declaration as Classical
Language :
Impact on the Language
and Literature
Of
Bengali, Marathi, Assamese,
Pali and Prakrit”*

*Venue :
Lipika Auditorium
Date : 22.11.2024
Time : 10.30 am to 1.30 pm*

आमंत्रण

भारत सरकारने ३ऑक्टोबर २०२४ रोजी मराठी, बंगाली, असमीया, पाली आणि प्राकृत या भाषांना अभिजात भाषा घोषित केले आहे. या प्रित्यर्थ २२नोव्हेंबर २०२४ रोजी सकाळी १०.३० ते दुपारी ०१.३० या वेळेत लिपिका सभागृह, विश्वभारती, शांतिनिकेतन येथे या घोषणेचा सदरील भाषांच्या विकासावर आणि प्रसारावर काय परिणाम होणार आहे यावर प्रतिष्ठित भाषा तज्ञांचे व्याख्यान आयोजित केलेली आहेत.

विषय: "भारत सरकारने मराठी, बंगाली, असमीया, पाली आणि प्राकृत या भाषांना शास्त्रीय भाषा घोषित करणे आणि त्याचा सदरील भाषा व साहित्यावरील परिणाम"

सदरील कार्यक्रम भाषा भवन, विश्वभारती आणि डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी फाउंडेशन नवी दिल्ली यांच्या संयुक्त विद्यमाने आयोजित केला आहे.

या कार्यक्रमास आपली उपस्थिती प्रार्थनीय आहे.

प्राध्यापक मनोरंजन प्रधान
अध्यक्ष
भाषा भवन, विश्वभारती.

আমন্ত্রণ

সবিনয় নিবেদন

গত ৩ অক্টোবর ২০২৪ ভারত সরকার বাংলা, মরাঠি, অসমীয়া, পালি ও প্রাকৃত ভাষাকে ধ্রুপদী ভাষার মর্যাদা প্রদান করেছে। এই স্বীকৃতির ফলে ভাষাগুলি কীভাবে আরো সমৃদ্ধ হয়ে উঠবে এ বিষয়ে একটি আলোচনা সভার আয়োজন করা হয়েছে।

স্থান : বিশ্বভারতী লিপিকা প্রেক্ষাগৃহ
সময় ২২ নভেম্বর ২০২৪, শুক্রবার
সকাল ১০.৩০ থেকে ০১.৩০

বিষয় : ধ্রুপদী ভাষা হিসেবে ভারত সরকারের স্বীকৃতি : বাংলা, মরাঠি, অসমীয়া, পালি ও প্রাকৃত ভাষা ও সাহিত্যে তার প্রভাব।

আলোচনা সভার উদ্যোক্তা ভাষা-ভবন, বিশ্বভারতী এবং ড. শ্যামাপ্রসাদ মুখার্জি রিসার্চ ফাউন্ডেশন নতুন দিল্লী।

এই অনুষ্ঠানে আপনার সবাধ্বব উপস্থিতি একান্তভাবে কামনা করি।

তারিখ ১৪ নভেম্বর, ২০২৪

অধ্যাপক মনোরঞ্জন প্রধান
অধ্যক্ষ
ভাষা-ভবন, বিশ্বভারতী
শান্তিনিকেতন

আমন্ত্রণ পত্র

সবিনয় নিবেদন,

যোৱা ৩ অক্টোবৰ, ২০২৪ তাৰিখে ভাৰত চৰকাৰে বাংলা, মাৰাঠী, অসমীয়া, পালি আৰু প্ৰাকৃত ভাষাক ধ্ৰুপদী ভাষাৰ স্বীকৃতি দান কৰে। এই স্বীকৃতিৰ ফলত ভাষাবোৰ কেনেধৰণেৰে অধিক সমৃদ্ধ হ'ব সেই বিষয়ে আলোচনা কৰাৰ বাবে এখনি আলোচনাচক্ৰৰ আয়োজন কৰা হৈছে।

স্থান: বিশ্বভাৰতী লিপিকা প্ৰেক্ষাগৃহ
সময়: ২২ নৱেম্বৰ, ২০২৪,
পুৱা ১০-৩০ৰ পৰা দুপৰীয়া ১-৩০ বজালৈ

বিষয়: ধ্ৰুপদী ভাষা হিচাপে ভাৰত চৰকাৰৰ স্বীকৃতি :
বাংলা, মাৰাঠী, অসমীয়া, পালি আৰু প্ৰাকৃত ভাষা
আৰু সাহিত্যত তাৰ প্ৰভাৱ

আলোচনা চক্ৰৰ উদ্যোক্তা: ভাষা-ভৱন, বিশ্বভাৰতী আৰু ড° শ্যামা
প্ৰসাদ মুখাৰ্জী ৰিচাৰ্ছ ফাউণ্ডেচন, নতুন দিল্লী।

এই অনুষ্ঠানলৈ আপোনাক সবান্ধৱে নিমন্ত্ৰণ জনালোঁ।

তাৰিখ: ১৪ নৱেম্বৰ, ২০২৪

অধ্যাপক মনোৰঞ্জন প্রধান
অধ্যক্ষ
ভাষা-ভৱন, বিশ্বভাৰতী
শান্তিনিকেতন